# सैकेंडरी स्कूल परीक्षा

## मार्च – 2016

## अंक-योजना – हिंदी ('अ') कोड संख्या 3/1, 3/2, 3/3

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

**<u>विशेष निर्देश</u> :**

**माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी तय शुल्क देकर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। सभी परीक्षकों को एक बार पुनः याद दिलाया जाता है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक प्रश्न की अंक योजना के अनुसार उत्तर का मूल्यांकन करना है।**

1. बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर में यदि विद्यार्थी पूरे विकल्प (वाक्य/वाक्यांश/शब्द) को न लिखकर केवल (क)/(ख) इत्यादि उपयुक्त विकल्प ही लिखें तो उसे भी स्वीकारें और तदनुसार अंकन करें।
2. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
3. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक-योजना पर भली-भाँति आद्योपांत विचार-विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
4. मूल्यांकन-कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
5. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर भी लिख दिया है तो जहाँ प्रश्न को पहले हल किया गया है उस पर अंक दें और बाद में किए हुए को काट दें।
8. संक्षिप्त किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवार उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्त्व देने की अपेक्षा है।
9. बार-बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।
10. शब्द-सीमा से अधिक शब्द होने पर भी अंक न काटे जाएँ।
11. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 90 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 90 अंक दिए जाने चाहिए।
12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि कोई उत्तर पूर्णतः गलत मिलता है तो उस उत्तर पर गलत (✗) चिह्नित कर शून्य अंक दिए जाएँ।

# सैकेंडरी स्कूल परीक्षा

## मार्च – 2016

## अंक-योजना – हिंदी ('अ') कोड संख्या 3/2/1, 2, 3

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

**<u>विशेष निर्देश</u> :**

**माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी तय शुल्क देकर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। सभी परीक्षकों को एक बार पुनः याद दिलाया जाता है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक प्रश्न की अंक योजना के अनुसार उत्तर का मूल्यांकन करना है।**

1. बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर में यदि विद्यार्थी पूरे विकल्प (वाक्य/वाक्यांश/शब्द) को न लिखकर केवल (क)/(ख) इत्यादि उपयुक्त विकल्प ही लिखें तो उसे भी स्वीकारें और तदनुसार अंकन करें।
2. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
3. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक-योजना पर भली-भाँति आद्योपांत विचार-विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
4. मूल्यांकन-कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
5. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर भी लिख दिया है तो जहाँ प्रश्न को पहले हल किया गया है उस पर अंक दें और बाद में किए हुए को काट दें।
8. संक्षिप्त किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवार उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्त्व देने की अपेक्षा है।
9. बार-बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।
10. शब्द-सीमा से अधिक शब्द होने पर भी अंक न काटे जाएँ।
11. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 90 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 90 अंक दिए जाने चाहिए।
12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि कोई उत्तर पूर्णतः गलत मिलता है तो उस उत्तर पर गलत (✕) चिह्नित कर शून्य अंक दिए जाएँ।

# सैकेंडरी स्कूल परीक्षा

## मार्च – 2016

## अंक-योजना – हिंदी ('अ') कोड संख्या 3/1/1, 2, 3

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

**<u>विशेष निर्देश</u> :**

**माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी तय शुल्क देकर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। सभी परीक्षकों को एक बार पुनः याद दिलाया जाता है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक प्रश्न की अंक योजना के अनुसार उत्तर का मूल्यांकन करना है।**

1. बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर में यदि विद्यार्थी पूरे विकल्प (वाक्य/वाक्यांश/शब्द) को न लिखकर केवल (क)/(ख) इत्यादि उपयुक्त विकल्प ही लिखें तो उसे भी स्वीकारें और तदनुसार अंकन करें।
2. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
3. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक-योजना पर भली-भाँति आद्योपांत विचार-विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
4. मूल्यांकन-कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
5. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर भी लिख दिया है तो जहाँ प्रश्न को पहले हल किया गया है उस पर अंक दें और बाद में किए हुए को काट दें।
8. संक्षिप्त किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवार उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्त्व देने की अपेक्षा है।
9. बार-बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।
10. शब्द-सीमा से अधिक शब्द होने पर भी अंक न काटे जाएँ।
11. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 90 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 90 अंक दिए जाने चाहिए।
12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि कोई उत्तर पूर्णतः गलत मिलता है तो उस उत्तर पर गलत (✗) चिह्नित कर शून्य अंक दिए जाएँ।

# सैकेंडरी स्कूल परीक्षा

## मार्च – 2016

## अंक-योजना – हिंदी ('अ') कोड संख्या 503/1, 2, 3

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

**<u>विशेष निर्देश</u> :**

**माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी तय शुल्क देकर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। सभी परीक्षकों को एक बार पुनः याद दिलाया जाता है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक प्रश्न की अंक योजना के अनुसार उत्तर का मूल्यांकन करना है।**

1. बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर में यदि विद्यार्थी पूरे विकल्प (वाक्य/वाक्यांश/शब्द) को न लिखकर केवल (क)/(ख) इत्यादि उपयुक्त विकल्प ही लिखें तो उसे भी स्वीकारें और तदनुसार अंकन करें।
2. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
3. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक-योजना पर भली-भाँति आद्योपांत विचार-विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
4. मूल्यांकन-कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
5. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर भी लिख दिया है तो जहाँ प्रश्न को पहले हल किया गया है उस पर अंक दें और बाद में किए हुए को काट दें।
8. संक्षिप्त किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवार उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्त्व देने की अपेक्षा है।
9. बार-बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।
10. शब्द-सीमा से अधिक शब्द होने पर भी अंक न काटे जाएँ।
11. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 90 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 90 अंक दिए जाने चाहिए।
12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि कोई उत्तर पूर्णतः गलत मिलता है तो उस उत्तर पर गलत (✗) चिह्नित कर शून्य अंक दिए जाएँ।